हैमलिन का

बांसुरीवाला

हैमलिन का

बांसुरीवाला

यह हैमलिन शहर है.
वैसे वो एक अच्छा शहर है,
पर वहां एक बहुत बुरी बात है.

सत्यानाश!
हर जगह चूहे!
बड़े और छोटे चूहे!
दुकानों और घरों में चूहे!
हर जगह चूहे ही चूहे!

हैमलिन के लोग चूहों से
छुटकारा पाना चाहते हैं.
उनमें से एक आदमी ने कहा:
"हम भला क्या करें?
हर जगह चूहे ही चूहे हैं."
फिर लोगों ने तय किया.
“हम मिलकर शहर के मेयर से मिलेंगे.
वो ज़रूर हमारी मदद करेंगे.”

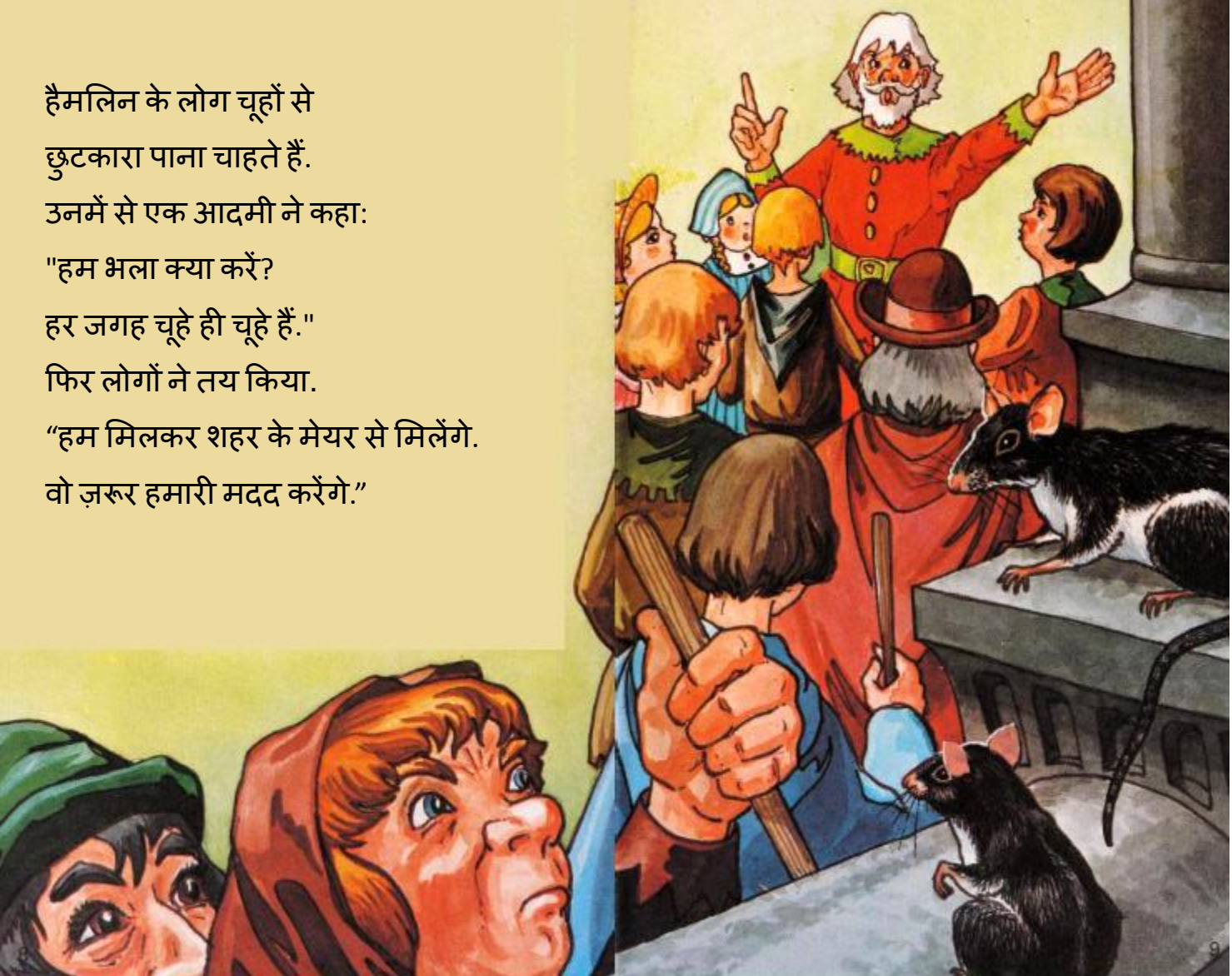

फिर लोग मेयर से मिलने गए.

"कृपया हमें चूहों से छुटकारा दिलाएं,"

उन्होंने कहा.

मेयर ने कहा,

"चूहे मुझे भी पसंद नहीं हैं,

लेकिन मैं क्या करूं?

मैं चूहों को भगा नहीं सकता."

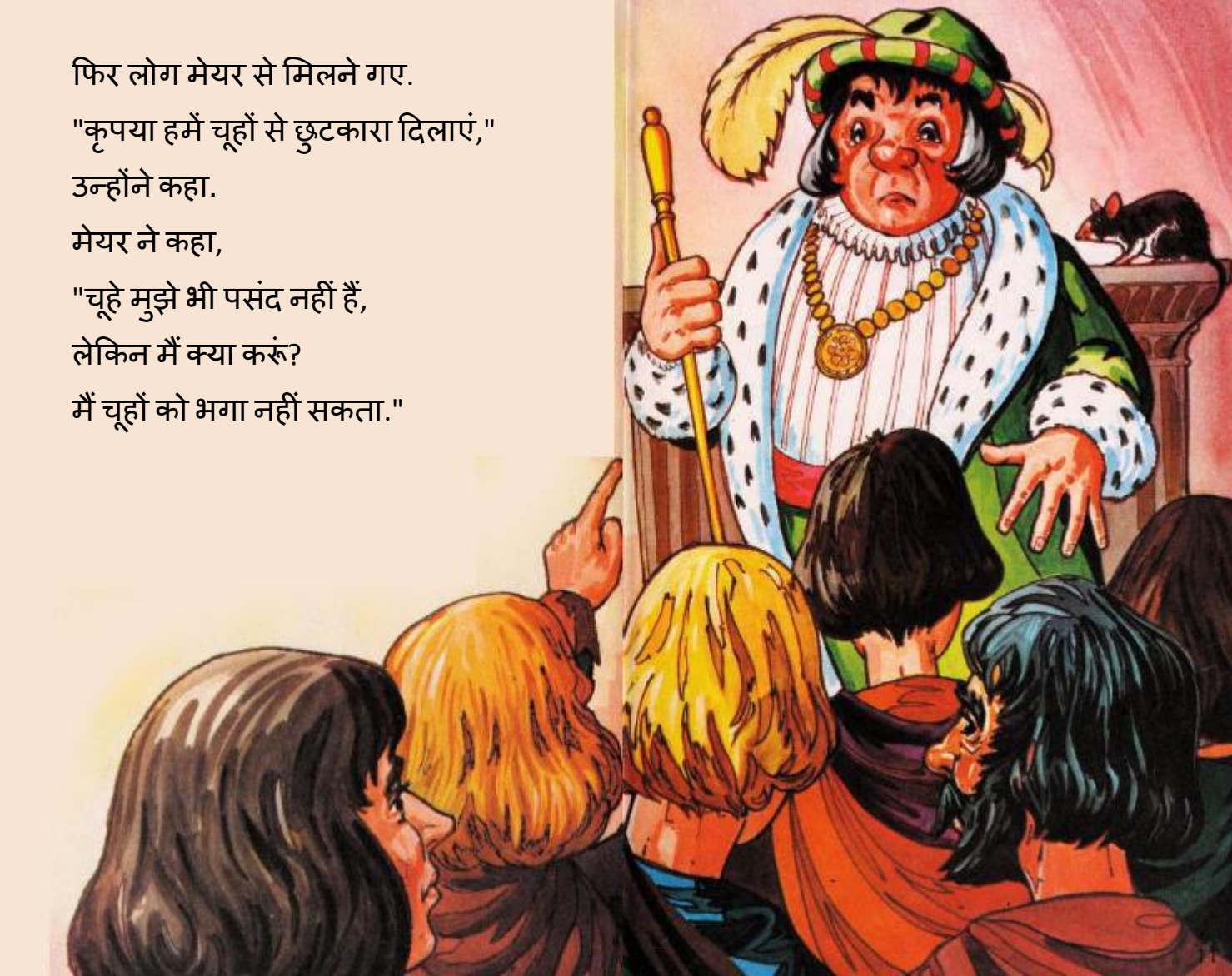

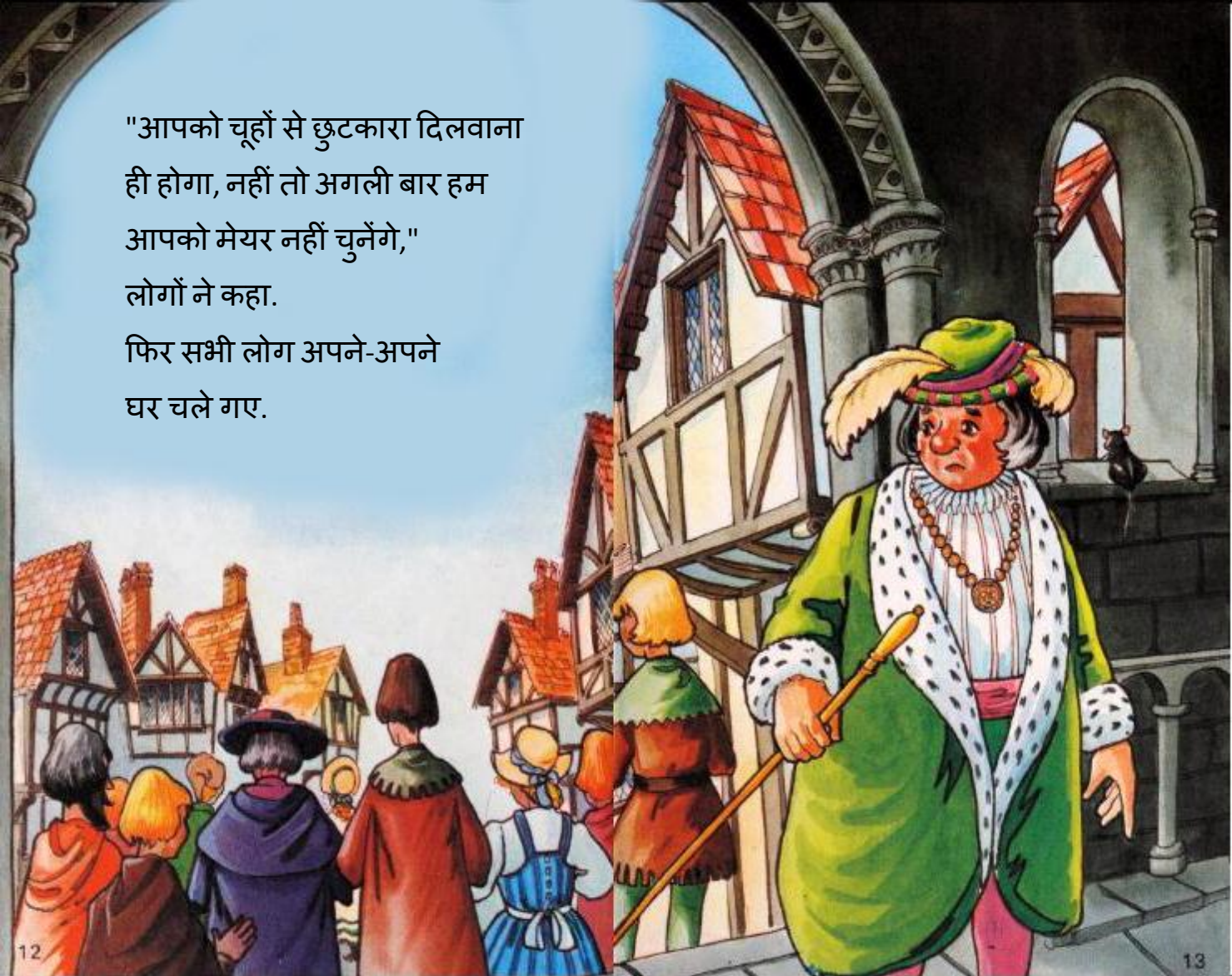

"आपको चूहों से छुटकारा दिलवाना
ही होगा, नहीं तो अगली बार हम
आपको मेयर नहीं चुनेंगे,"
लोगों ने कहा.
फिर सभी लोग अपने-अपने
घर चले गए.

तभी मेयर को देखने
एक अजीब आदमी आया.
वो अजीब आदमी एक
निराला बांसुरीवाला था.

बांसुरीवाले ने मेयर से कहा,
"आप चाहें तो मैं आपकी मदद कर सकता हूं. अगर मैं शहर को चूहों से छुटकारा दिलाऊं तो क्या आप मुझे कुछ पैसे देंगे?"

मेयर ने तुरंत कहा, "हां ज़रूर,
मैं तुम्हें उतने पैसा दूंगा
जितने तुम मांगोगे.
कृपा चूहों को शहर से कहीं दूर भगा दो."
यह सुनकर बांसुरीवाला
बहुत प्रसन्न हुआ.

फिर बांसुरीवाले ने एक धुन बजाई. तुरंत उसके पीछे एक चूहा दौड़ता हुआ आया. फिर दो चूहे आए. बांसुरीवाला लगातार बांसुरी बजाता रहा. जल्द ही शहर के सभी चूहे – उस विचित्र बांसुरीवाले के पीछे-पीछे चलने लगे.

बड़े और छोटे चूहे.
मोटे और पतले चूहे.
सभी चूहे उस धुन पर फ़िदा थे
जो बांसुरीवाला बजा रहा था.
सभी चूहे उसके पीछे-पीछे
दौड़ते हुए गए.

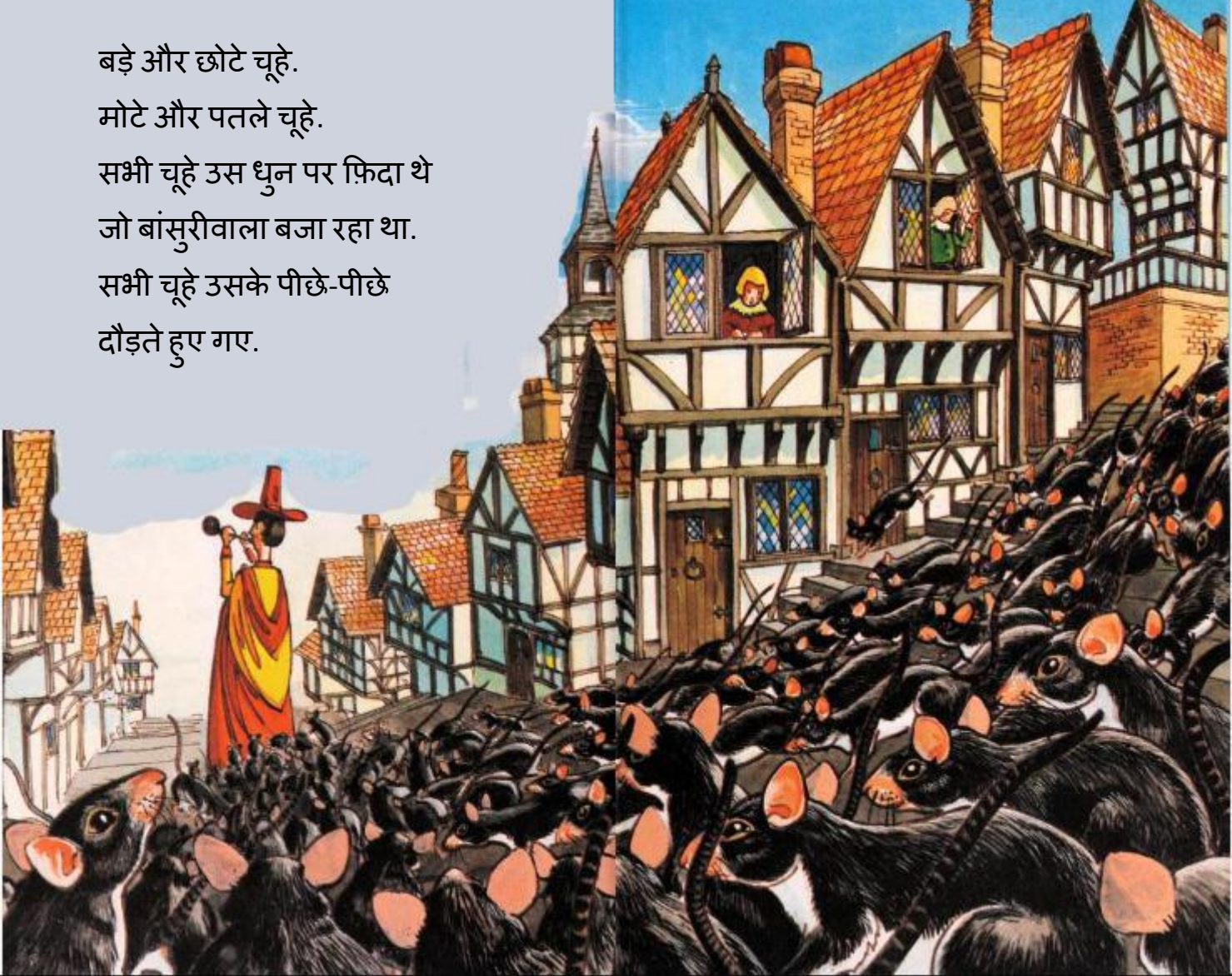

कुछ देर बाद बांसुरीवाला नदी के पास पहुंचा.
वह अपनी धुन लगातार बजाता रहा.
फिर सभी चूहे पानी में कूद गए
और डूबकर मर गए.

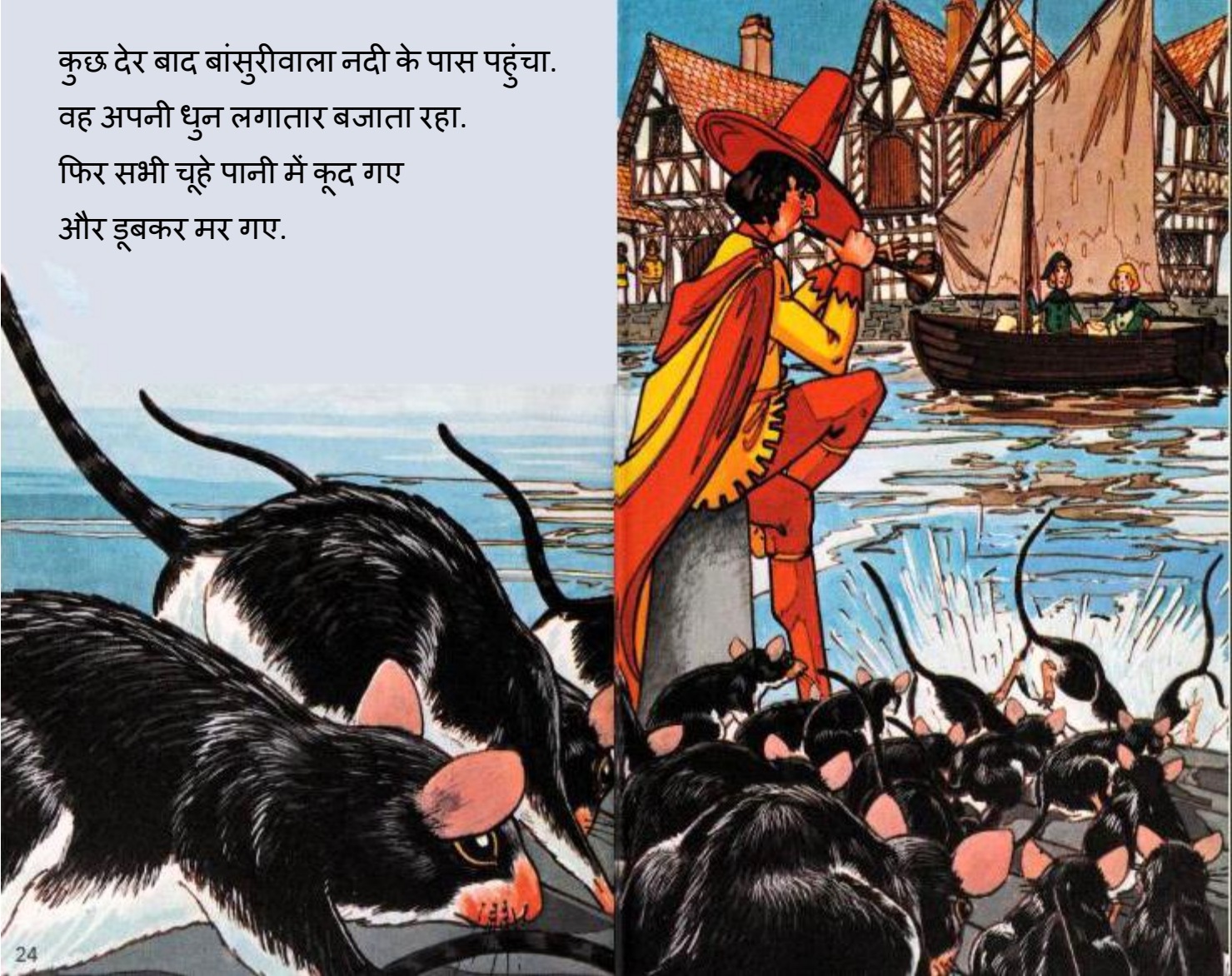

उसके बाद बांसुरीवाले ने मेयर से कहा,
"चूहे मर गए हैं, और मुझे भी अब
यहाँ से जल्द ही जाना है.
कृपया, मुझे मेरे पैसे दें.”

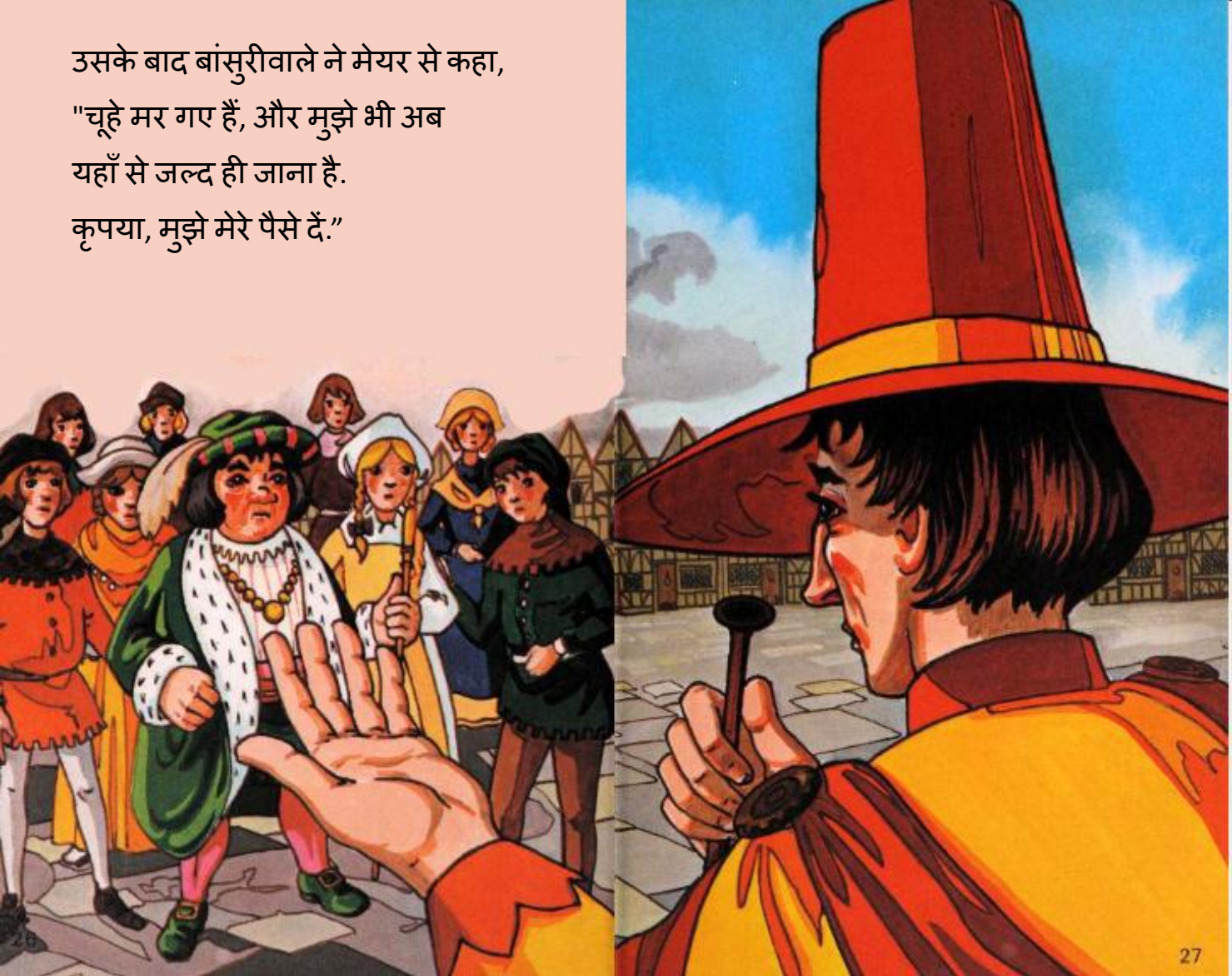

"नहीं," मेयर ने कहा.

"मैं पैसे नहीं दूंगा.

अब सारे चूहे चले गए हैं,

और अब तुम भी जा सकते हो.

मैं नहीं चाहता कि तुम यहाँ पर और रुको."

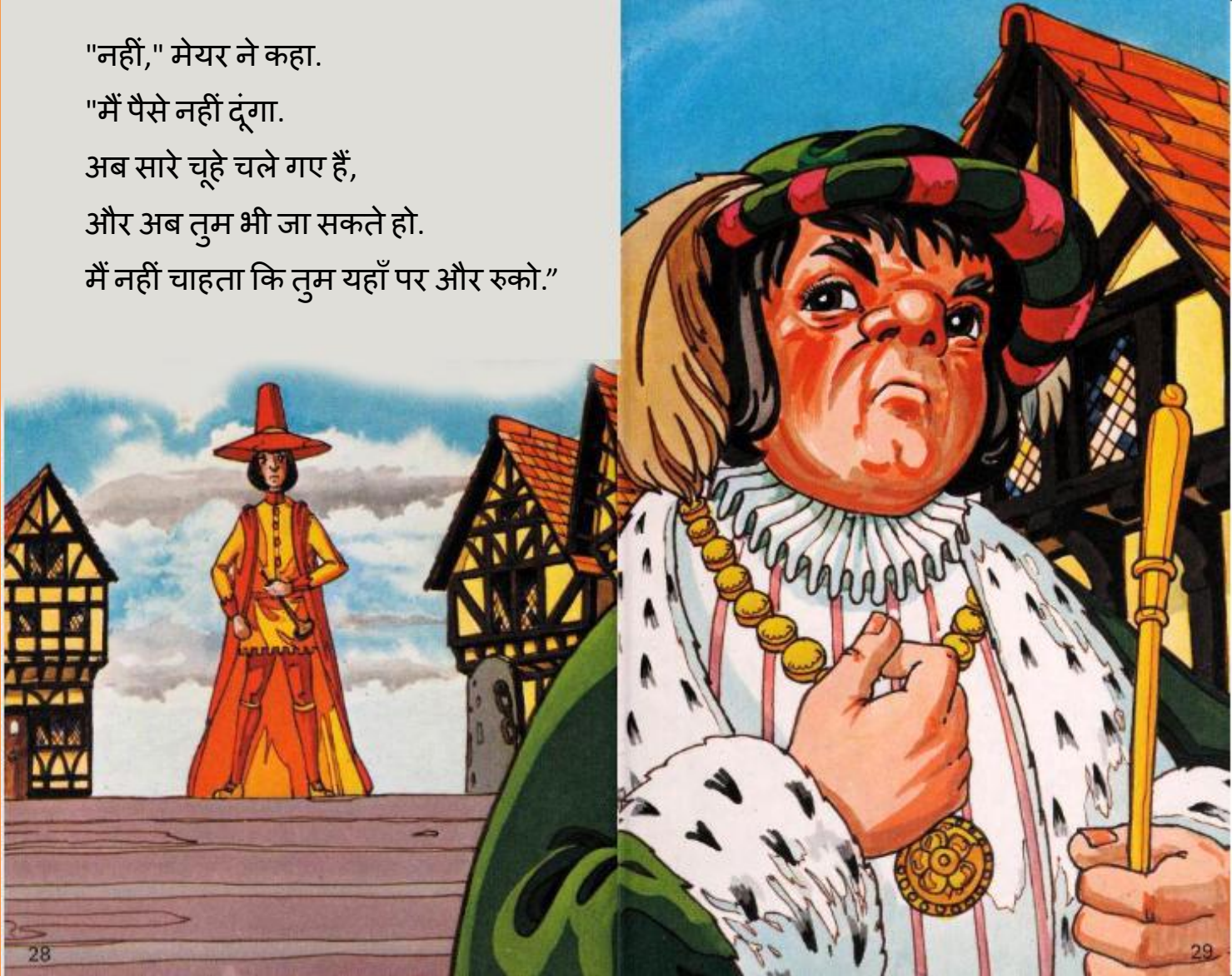

"कृपा मुझे पैसे दो," बांसुरीवाले ने चेतावनी दी. "नहीं तो मैं एक अलग सी धुन बजाऊंगा!"

मेयर उसकी बात सुनकर हंसा.

"तुम जो मर्ज़ी चाहे वो धुन बजाओ. अब मुझे तुमसे कोई खतरा नहीं हैं. अब मैं तुम्हें एक भी पैसा नहीं दूंगा."

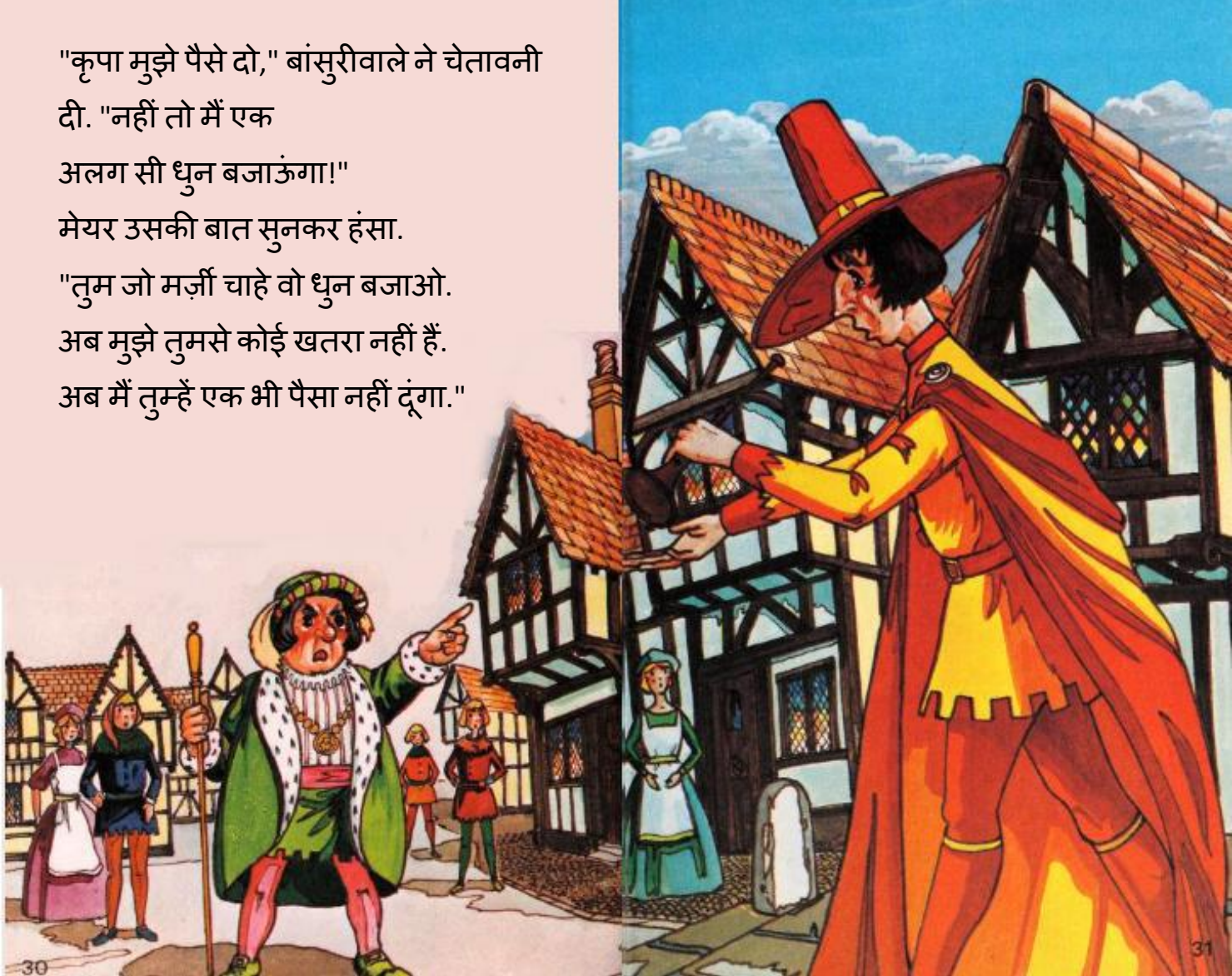

उसके बाद बांसुरीवाले ने
एक अलग धुन बजाई.

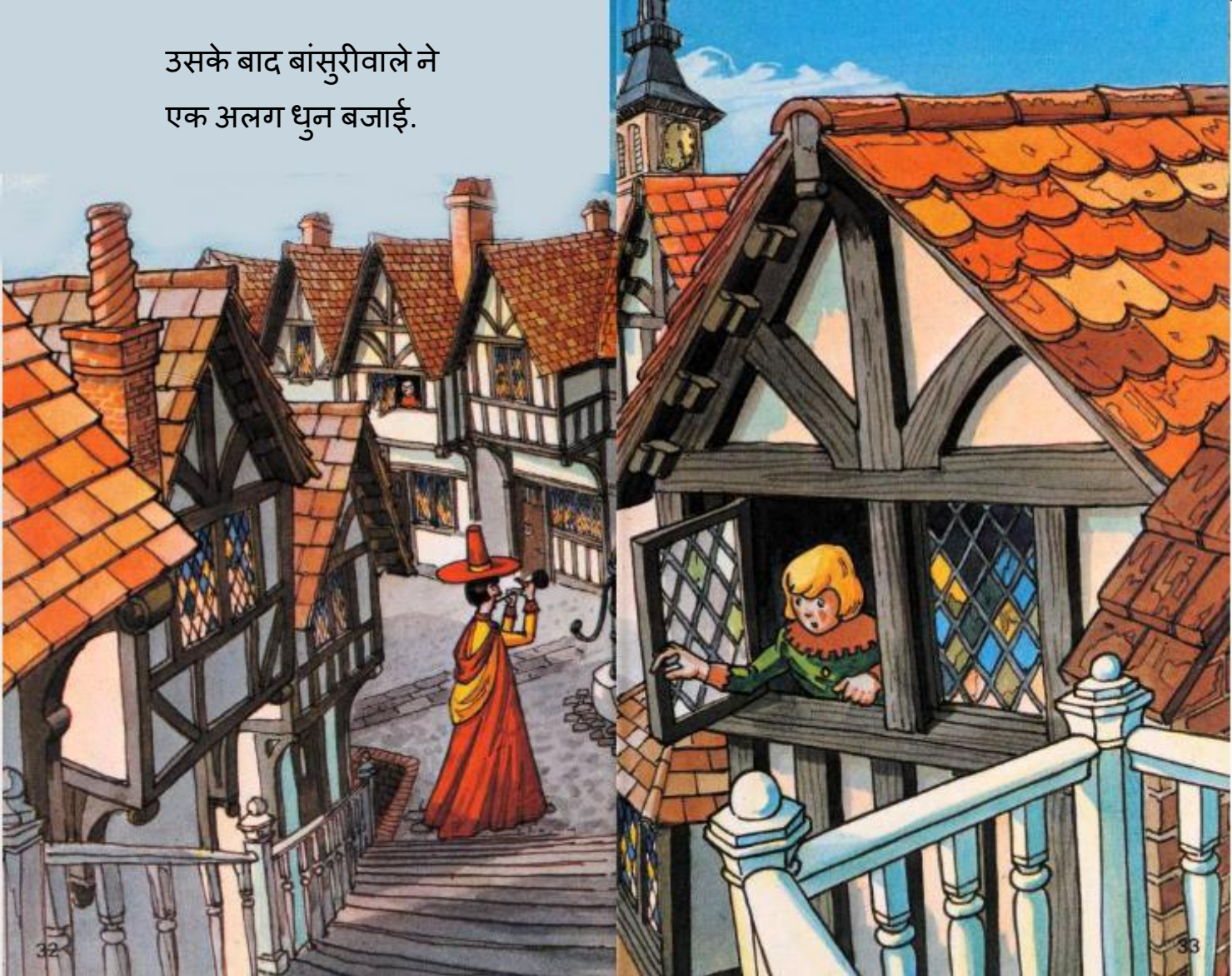

धुन सुनकर घरों में बच्चों ने
खेल खेलना बंद कर दिया.
उन्हें बांसुरीवाले की बजाई धुन
बेहद पसंद आई.

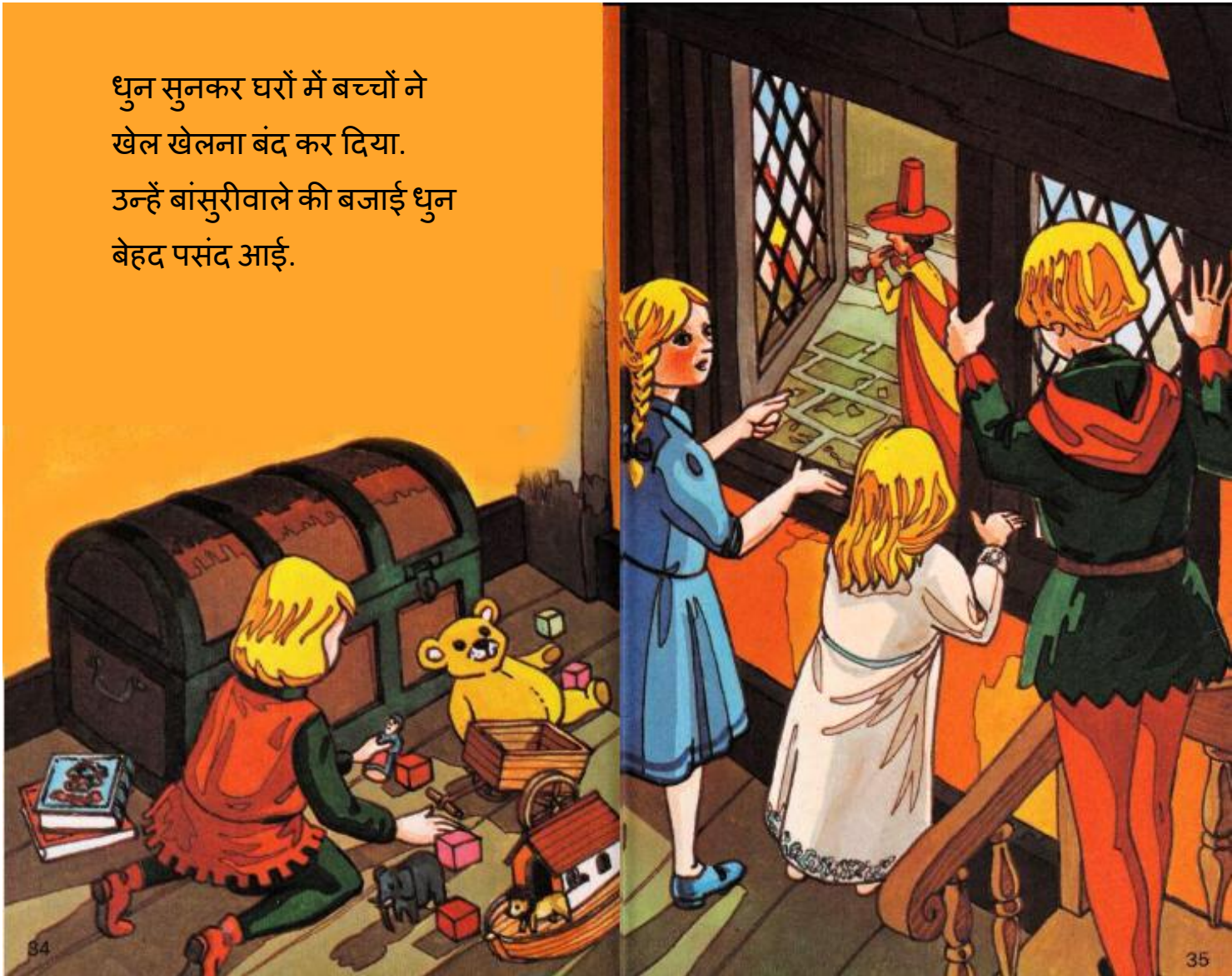

सभी बच्चे अपने-अपने घरों से
निकलकर बांसुरीवाले को देखने निकले.
वे उसके पीछे-पीछे दौड़े.

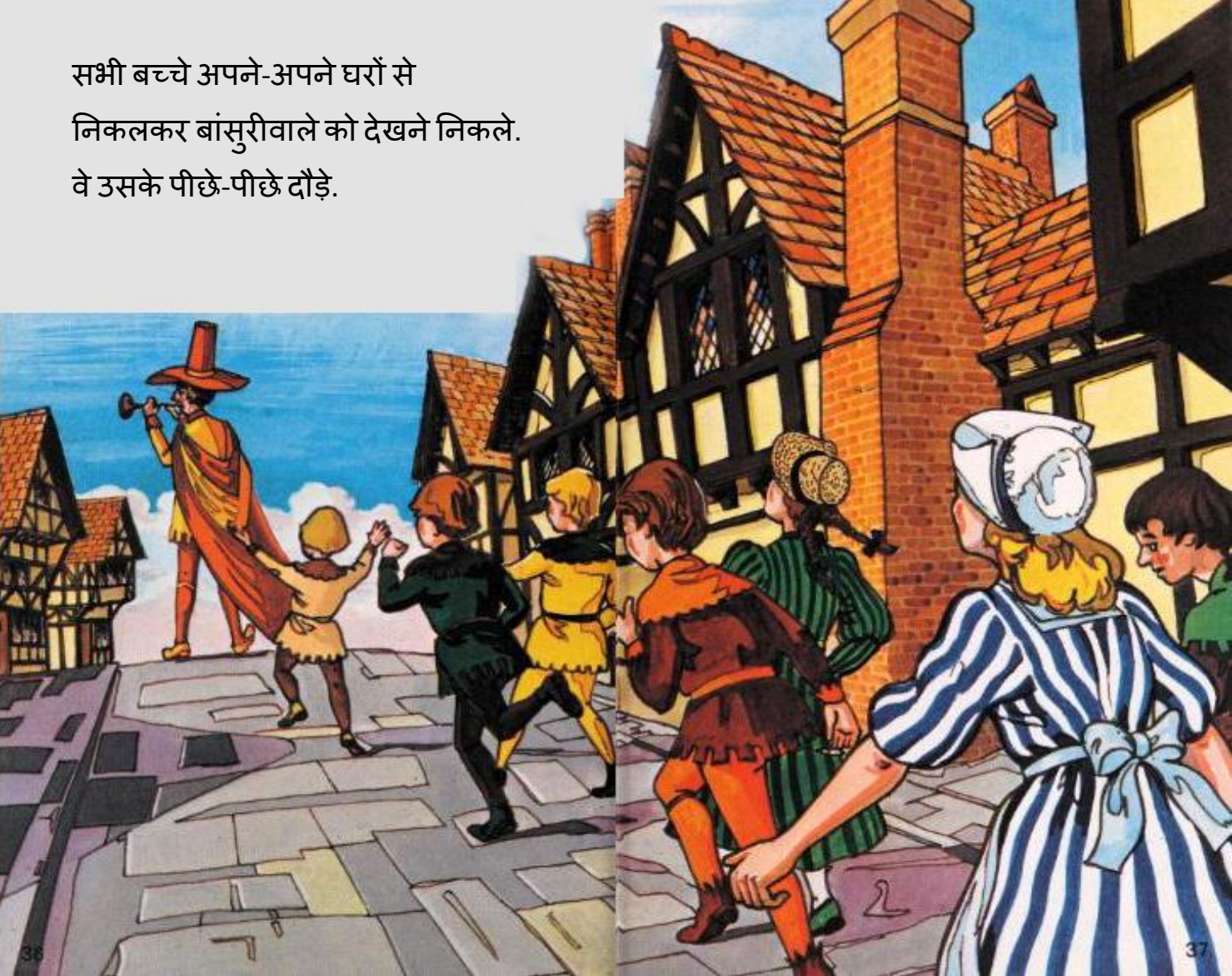

लड़के और लड़कियां, बड़े और छोटे बच्चे.

सभी बच्चे बांसुरीवाले के पीछे-पीछे आये.

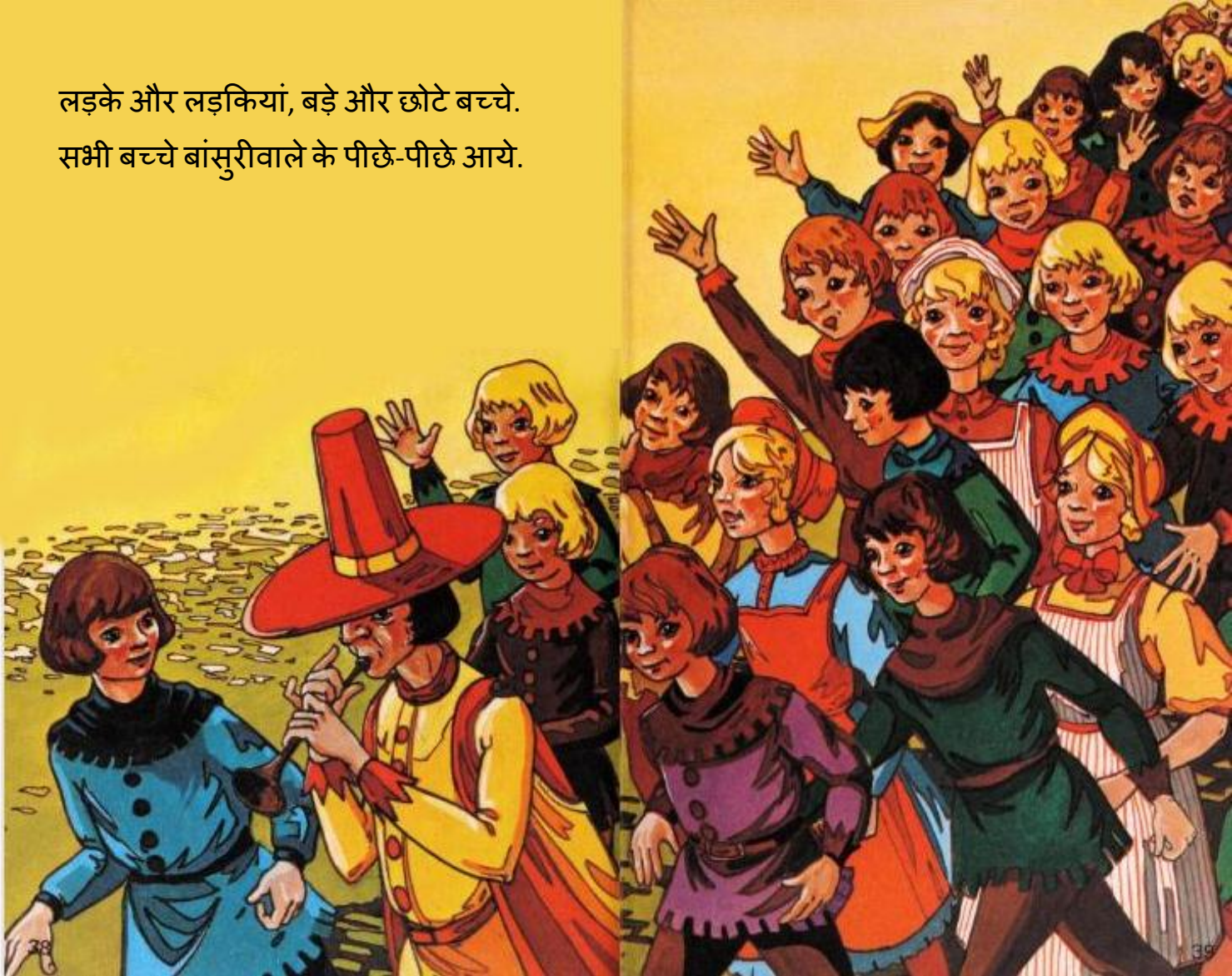

बांसुरीवाला नदी में उतरा,
लेकिन बच्चे नदी में नहीं कूदे.
बांसुरीवाला अपनी धुन बजाता रहा
और बच्चे उसके पीछे-पीछे दौड़ते रहे.

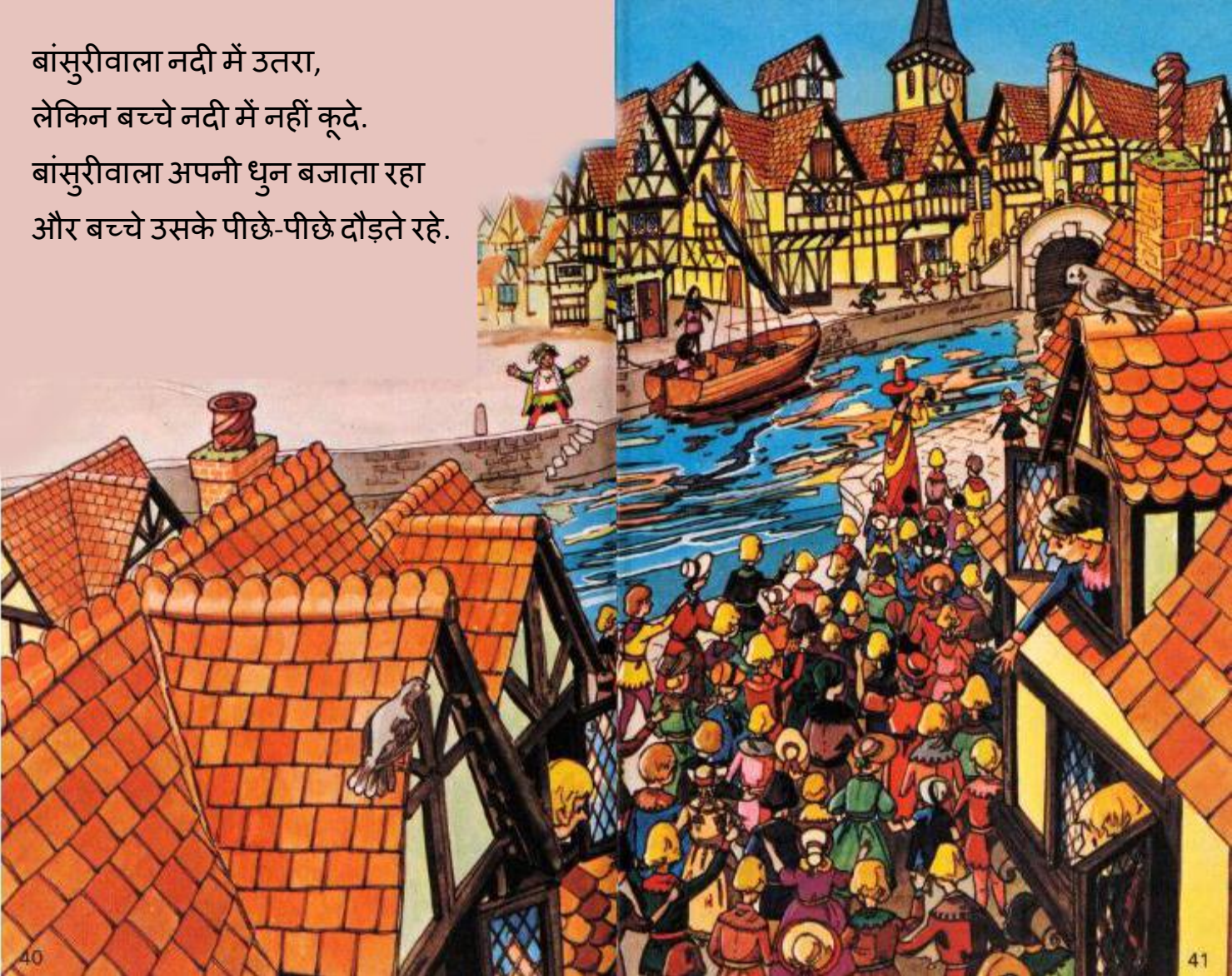

फिर वे एक पहाड़ पर चढ़े,
लेकिन वे रुके नहीं.
पहाड़ में एक दरवाज़ा खुला.

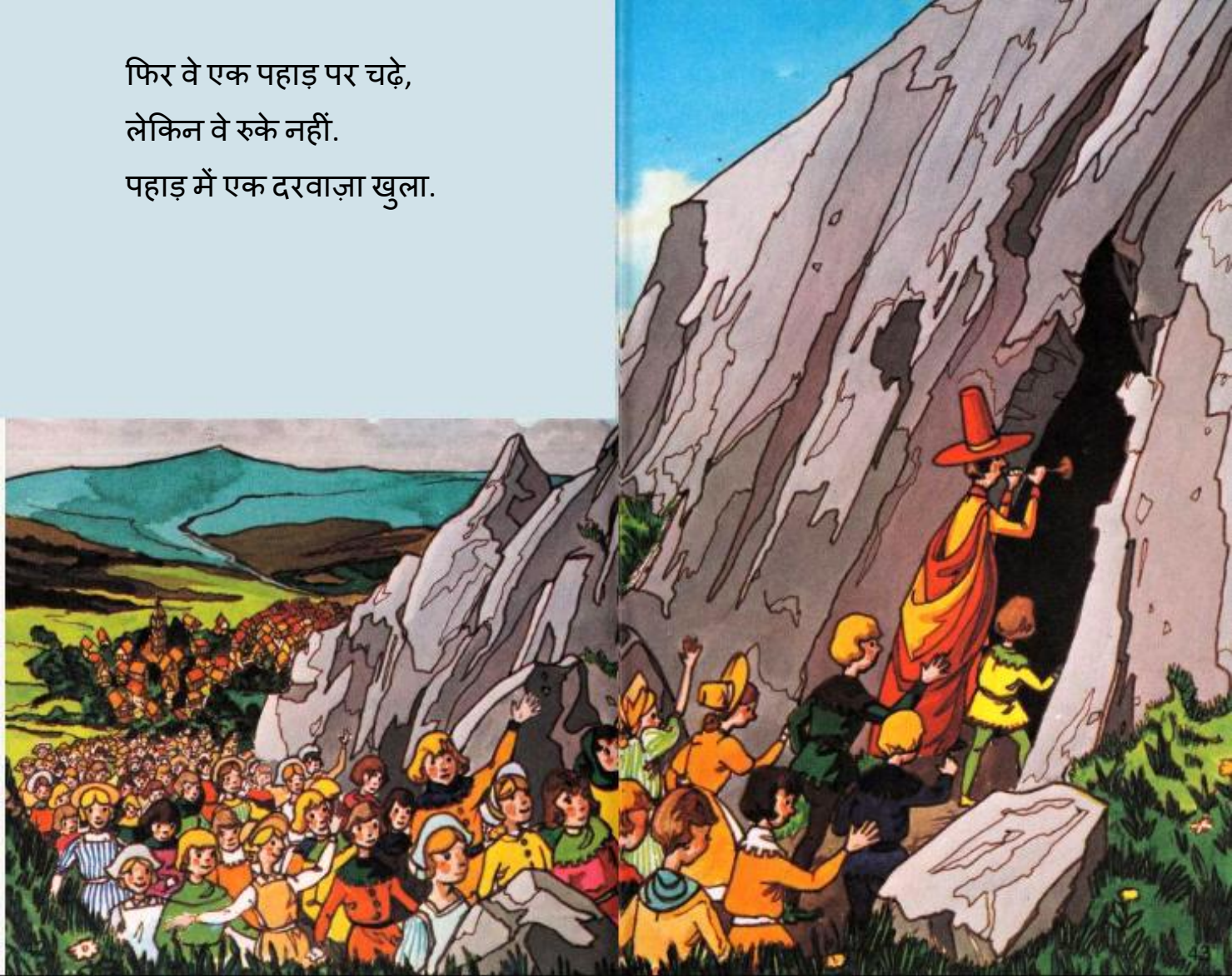

बांसुरीवाला वही धुन बजाता रहा
जो बच्चों को पसंद थी.
बांसुरीवाला पहाड़ के दरवाज़े में अंदर घुसा,
फिर बच्चे भी उसके पीछे-पीछे गए.
पहाड़ पर तमाम पेड़ और फूल थे.

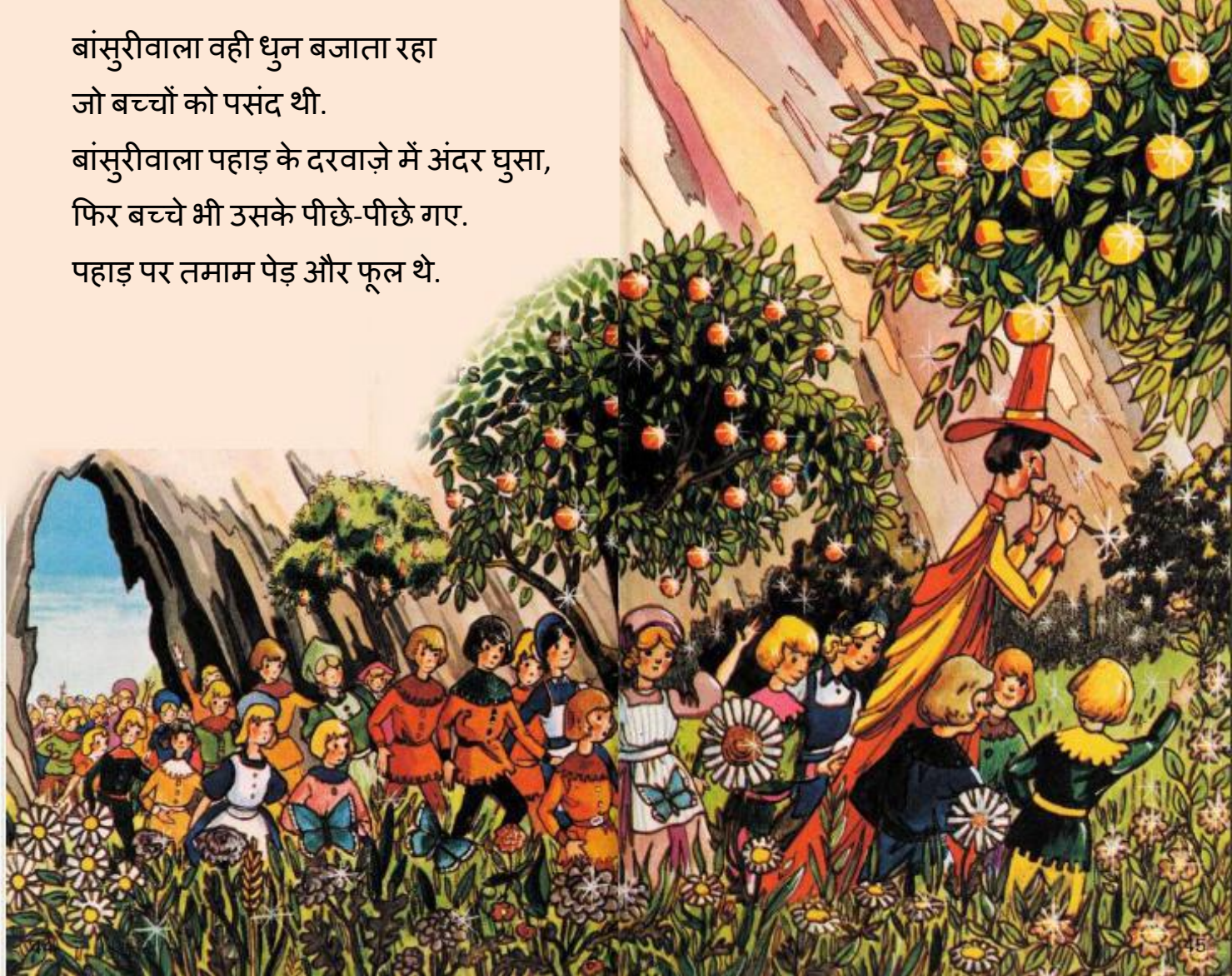

एक लड़का लंगड़ा था,
वो तेज़ी से बांसुरीवाले
के साथ-साथ नहीं चल पाया.
वो भी दरवाज़े के अंदर जाना चाहता था,
लेकिन तब तक दरवाज़ा बंद हो गया था.

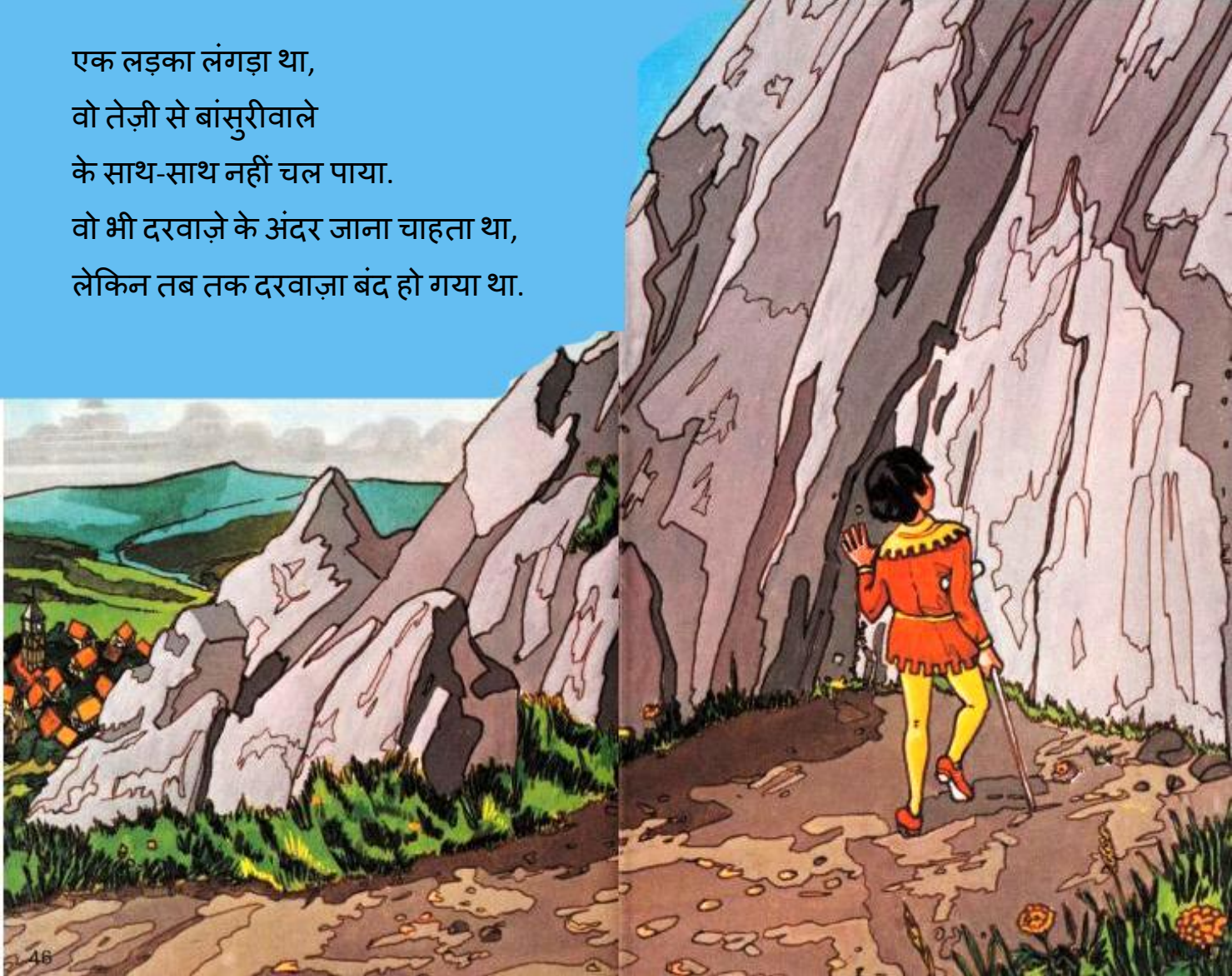

लड़का फिर वापिस घर गया.

अब उसके पास खेलने को कोई साथी नहीं बचा था.

सभी बच्चे पहाड़ पर चले गए थे.

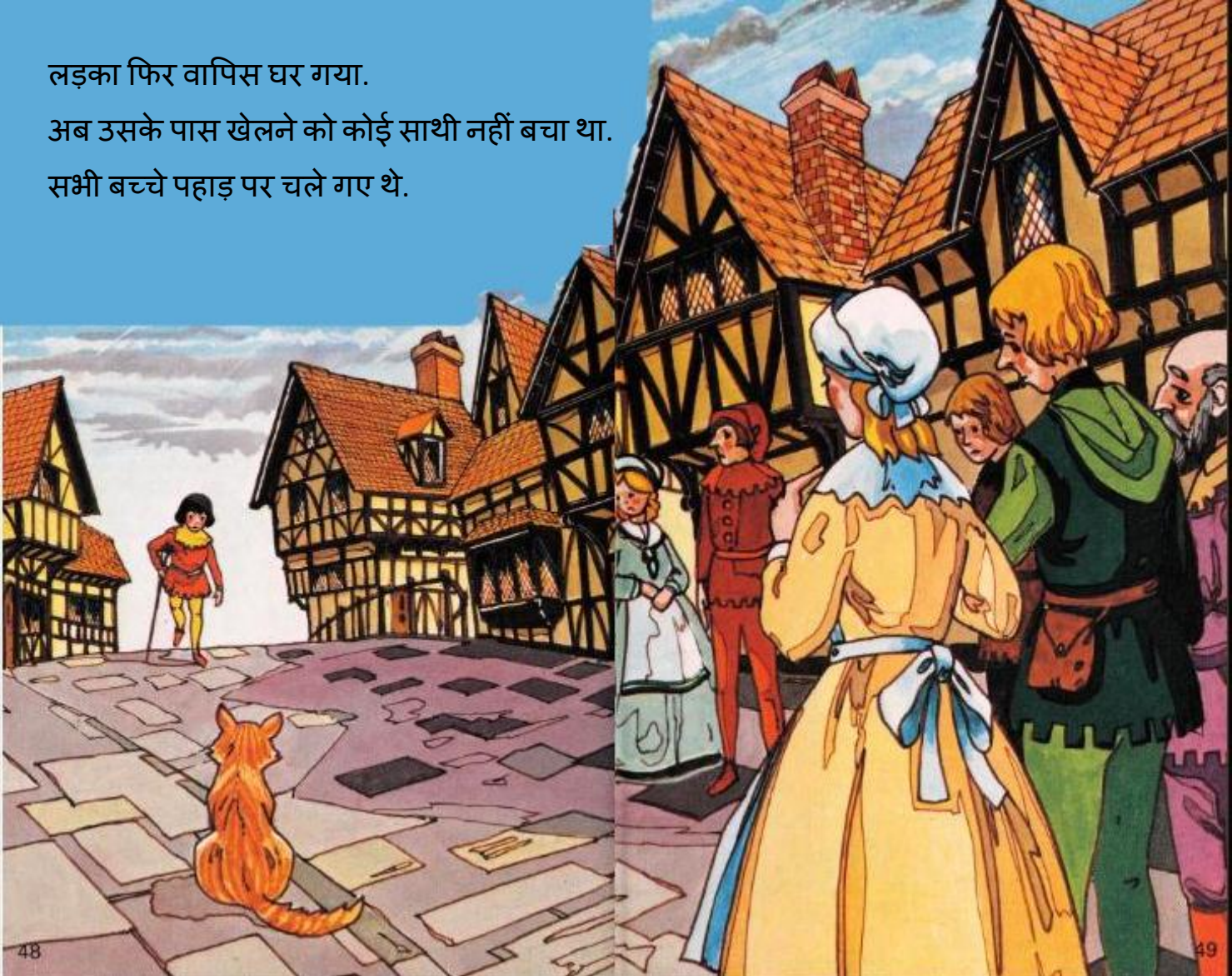

मेयर ने बांसुरीवाले और बच्चों की
सभी जगह तलाश की.
लेकिन वे कहीं नहीं मिले.
बच्चे सदा के लिए चले गए थे.
मेयर को बांसुरीवाले का पैसे देने चाहिए थे.

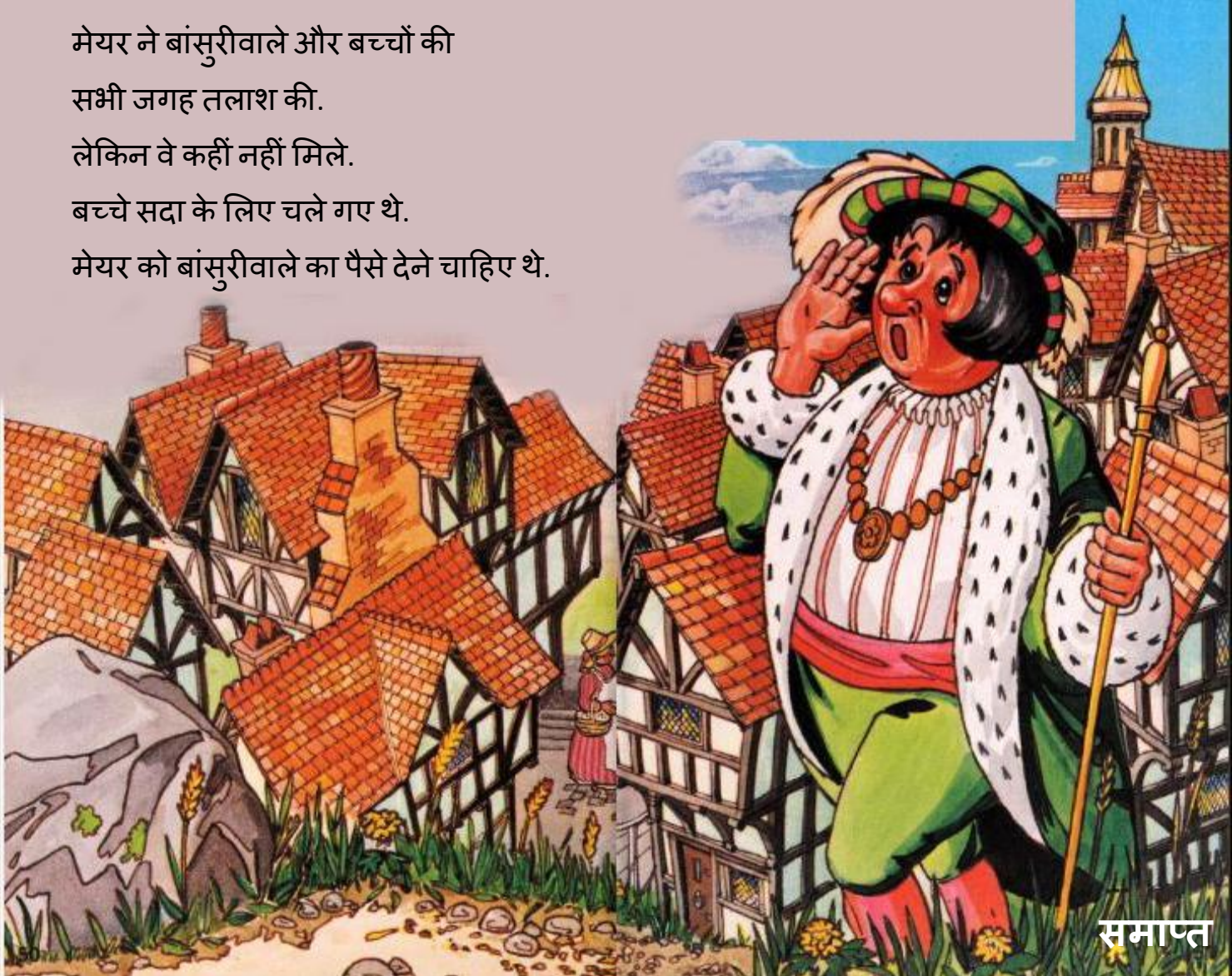

समाप्त